

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 10 September 2026

ऋषभ पंत ने रचा नया इतिहास : सहवाग का रिकॉर्ड तोड़कर बने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज

Publisher

Published on 15 Nov 2025



भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सितारे और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से इतिहास रच दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट मैच में पंत ने महान भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में **सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी** बन गए। यह उपलब्धि उन्होंने बेहद कम उम्र और करियर के शुरुआती दौर में हासिल की है, जिससे उनकी क्षमता और संभावनाओं का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मैच के दौरान पंत ने जैसे ही स्पिनर केशव महाराज की गेंद पर शानदार छक्का लगाया, वह भारतीय क्रिकेट इतिहास के नए चैंपियन बन गए। इस छक्के के साथ पंत ने अपना कुल छक्कों का आंकड़ा **91** पर पहुंचा दिया, जो सहवाग के 90 छक्कों के रिकॉर्ड से एक अधिक है। पारी की शुरुआत में पंत ठीक सहवाग के बराबर थे, और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी थीं कि क्या वह इस मुकाम को पार कर पाएंगे। जैसे ही गेंद मैदान के बाहर गई, स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

इस नए रिकॉर्ड ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि ऋषभ पंत आधुनिक भारतीय क्रिकेट के सबसे खतरनाक और आक्रामक बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी बल्लेबाजी शैली न केवल रन गति को तेज करती है, बल्कि विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव भी बनाती है। खासकर टेस्ट क्रिकेट, जो आम तौर पर धैर्य और तकनीक का खेल माना जाता है, उसमें पंत का यह आक्रामक अंदाज भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप को एक अनोखी मजबूती देता है।

इस उपलब्धि के साथ पंत ने केवल सहवाग को ही पीछे नहीं छोड़ा, बल्कि रोहित शर्मा (88), रवींद्र जडेजा (80) और महेंद्र सिंह धोनी (78) जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से भी आगे निकल गए हैं। इन सभी नामों ने भारतीय क्रिकेट में अद्भुत योगदान दिया है, और पंत का इन सभी दिग्गजों से आगे निकलना दिखाता है कि वह भविष्य में और भी बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा टेस्ट मैच में उनका यह छक्का सिर्फ रिकॉर्ड के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि मैच की

स्थिति को देखते हुए भी यह बेहद निर्णायक शॉट था। उस समय भारतीय टीम को रन गति बनाए रखने की जरूरत थी, और पंत ने अपनी खास पहचान के अनुरूप टीम की जरूरत को पूरा किया। विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में उनकी जिम्मेदारी पहले से ही बड़ी होती है, लेकिन पंत जिस तरह खेल को बदलने की क्षमता रखते हैं, वह उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है।

ऋषभ पंत का करियर लगातार उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। कभी टीम से अंदर-बाहर होना, कभी चोटिल होना और फिर शानदार वापसी करना—इन सबके बीच पंत ने अपने खेल के दम पर बार-बार साबित किया है कि वह भारतीय क्रिकेट के भविष्य के स्तंभ हैं। उनकी बल्लेबाजी में वह निडरता और आत्मविश्वास दिखता है, जिसकी वजह से वह हर गेंदबाज के लिए खतरा बन जाते हैं।

यह रिकॉर्ड तोड़ पारी आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट के लिए एक प्रेरणा बन सकती है। पंत की इस उपलब्धि ने टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी के महत्व को भी उजागर किया है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट की नई सोच और नए दौर का प्रतीक है, जहां युवा खिलाड़ी न सिर्फ टीम के लिए खेलते हैं, बल्कि अपनी व्यक्तिगत क्षमता से खेल की दिशा भी तय करते हैं।

ऋषभ पंत की इस उपलब्धि पर पूरे क्रिकेट जगत की निगाहें हैं। प्रशंसक, क्रिकेट विशेषज्ञ और पूर्व खिलाड़ी सभी ने उनकी तारीफ की है और उम्मीद जताई है कि वह आगे भी देश के लिए ऐसे ही रिकॉर्ड बनाते रहेंगे। यह कामयाबी उनके करियर का एक और सुनहरा अध्याय है और भारतीय क्रिकेट की किताब में एक नए नायक का नाम चमकाने वाला पल भी।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.